नमामि गंगे परियोजना का शुभारम्भ

भारत सरकार की बहुचर्चित नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत इलाहाबाद स्थित केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र में भी एक परियोजना का शुभारम्भ किया गया है। इस समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद, श्री श्यामाचरण गुप्ता ने मात्स्यिकी संरक्षण हेतु स्थापित **"मात्स्यिकी प्रबन्धन केन्द्र व प्रयोगशाला"** का उद्घाटन करते हुए गंगा की महानता, इसके प्राचीन स्वरूप और वर्तमान स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा गंगा को निर्मल करने और विलुप्त मछलियों के संरक्षण एवम् संवर्धन हेतु जन सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्घाटन समारोह अवसर पर इस संस्थान के केन्द्राध्यक्ष, डा. के डी जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये संस्थान की स्वीकृत परियोजना के बारे में बताया। उन्होने गंगा नदी में कम होती महत्वपूर्ण मत्स्य प्रजातियों, कतला, रोहू, मृगल एवं पर्वतीय क्षेत्र की महासीर तथा स्नो ट्राउट मछलियों के संरक्षण एवम् संवर्धन हेतु परियोजना के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी।

कायक्रम के विशिष्ट अतिथि, प्रो. यु. सी. श्रीवास्तव, वायोबेद के निदेशक, डा. बी. के. द्विवेदी एवम् डा. एस. पी. सिंह ने अपने-अपने सुझाव रखें। इस अवसर पर डा. आर. के. त्यागी, श्री जे. पी. मिश्रा, श्री विश्वनाथ निषाद, श्री जीतेन्द्र कुमार, डा. कल्पना श्रीवास्तव, श्री एस. के. श्रीवास्तव तथा श्री एस. आर. मीणा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर केन्द्र के वैज्ञानिक, डा. डी. एन. झा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।